nwda.gov.in

बड़े शहरों में भूजल स्तर जांचने के लिए नए सिस्टम की जरूरत

मनीष तिवारी ● नई दिल्ली

- रिपोर्ट के अनुसार मौजूदा व्यवस्था से सही डाटा मिलना मुश्किल
- लीकेज व वर्षा जल संचयन में कमी की ओर भी दिलाया गया ध्यान

शहरों में भूजल के स्तर को जांचने के लिए अलग प्रणाली की जरूरत है, क्योंकि इनकी परिस्थितियां बाकी जगहों से अलग हैं। केंद्रीय भूजल बोर्ड की इस साल की वाटर एसेसमेंट रिपोर्ट में कहा गया है कि दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में भूजल स्तर का अलग आकलन किया जाना चाहिए।

हाल में जारी की गई इस रिपोर्ट के मुताबिक शहरी क्षेत्रों में भूजल रिचार्ज का आकलन काफी कुछ ग्रामीण इलाकों के अनुरूप है, लेकिन रिचार्ज के स्त्रोतों में अंतर होने के कारण इसे पूरी तरह सटीक आंकड़े मिलना कठिन है। बोर्ड ने कहा है कि शहरी क्षेत्र में वर्षा जल का फिर से जमीन के अंदर जाना उतना नहीं है जितना ग्रामीण इलाकों में होता है। जब तक इन इलाकों में सही तरह जमीनी सर्वेक्षण नहीं कर लिया जाता और इसके नतीजे सामने नहीं आ जाते तब तक अस्थाई रूप से 30 प्रतिशत वर्षा जल पुनर्भरण के फैक्टर का आंकड़ों में ध्यान रखा जाए। इसका मतलब है कि यह माना जाए कि शहरों में बारिश वाले पानी के रिचार्ज में तीस प्रतिशत की कमी है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि शहरों में बड़े पैमाने पर रिसाव की समस्या भी होती है इसलिए अन्य स्त्रोतों से रिचार्ज वाली श्रेणी में इसे भी शामिल किया जाना चाहिए। बोर्ड ने सुझाव दिया कि पानी की आपूर्ति करने वाली एजेंसियों से जल की बर्बादी का डाटा लिया जाए और उसके पचास प्रतिशत को रिचार्ज में शामिल किया जा सकता है।